Result Mitra

UPSC (IAS) Prelims 2025

Current Affairs

18 Months

CRASH COURSE

#IAS

ABHAY SIR

Events in News

Result Mitra

Topic 1- भारत-चीन विवाद एवं भारत-चीन सीमा विवाद समझौता

Topic 2- भारत-मालदीव संबंध एवं विवाद

Topic 3- भारत-कनाडा संबंध एवं हालिया विवाद

Topic 4- आसियान (ASEAN) और भारत-आसियान संबंध

Topic 5- चीन, साउथ चाइना सी और नाइन डैश लाइन

भारत-चीन सीमा विवाद समझौता
Result Mitra

प्रश्न 1: भारत-चीन संबंधों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. 1962 के भारत-चीन युद्ध के बाद दोनों देशों के बीच "पंचशील समझौता" हुआ था।
2. भारत और चीन के बीच वास्तविक नियंत्रण रेखा (LAC) को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक समझौता नहीं हुआ है।
3. डोकलाम संकट 2017 में भारत और चीन के बीच भूटान के क्षेत्र में हुआ था।

सही विकल्प चुनें:

(A) केवल 1 और 2
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 1 और 3
(D) 1, 2 और 3

भारत-चीन विवाद एवं भारत-चीन सीमा विवाद समझौता

Result Mitra

- भारत और चीन के बीच सीमा विवाद एक जटिल मुद्दा है जो ऐतिहासिक, भौगोलिक और राजनीतिक कारणों से उत्पन्न हुआ है। यह विवाद मुख्य रूप से अक्साई चिन और अरुणाचल प्रदेश क्षेत्रों को लेकर है।

भारत-चीन सीमा विवाद: पृष्ठभूमि

- **ब्रिटिश काल में सीमांकन:** ब्रिटिश भारत और तिब्बत के बीच कई सीमांकन किए गए, जिनमें प्रमुख "मैकमहोन रेखा" (1914) है। चीन इस रेखा को स्वीकार नहीं करता।
- 1947 में भारत की स्वतंत्रता के बाद यह विवाद और बढ़ गया।
- 1950 में चीन द्वारा तिब्बत पर कब्जा और 1962 के युद्ध के कारण यह विवाद और गहरा हो गया।

मुख्य विवादित क्षेत्र

1. अक्साई चिन (लद्दाख)

- भारत इसे जम्मू-कश्मीर और लद्दाख का हिस्सा मानता है।
- चीन ने 1950 के दशक में इस पर कब्जा कर लिया और इसे अपने शिनजियांग प्रांत का भाग मानता है।
- 1962 के भारत-चीन युद्ध में चीन ने इसे पूरी तरह कब्जे में ले लिया।

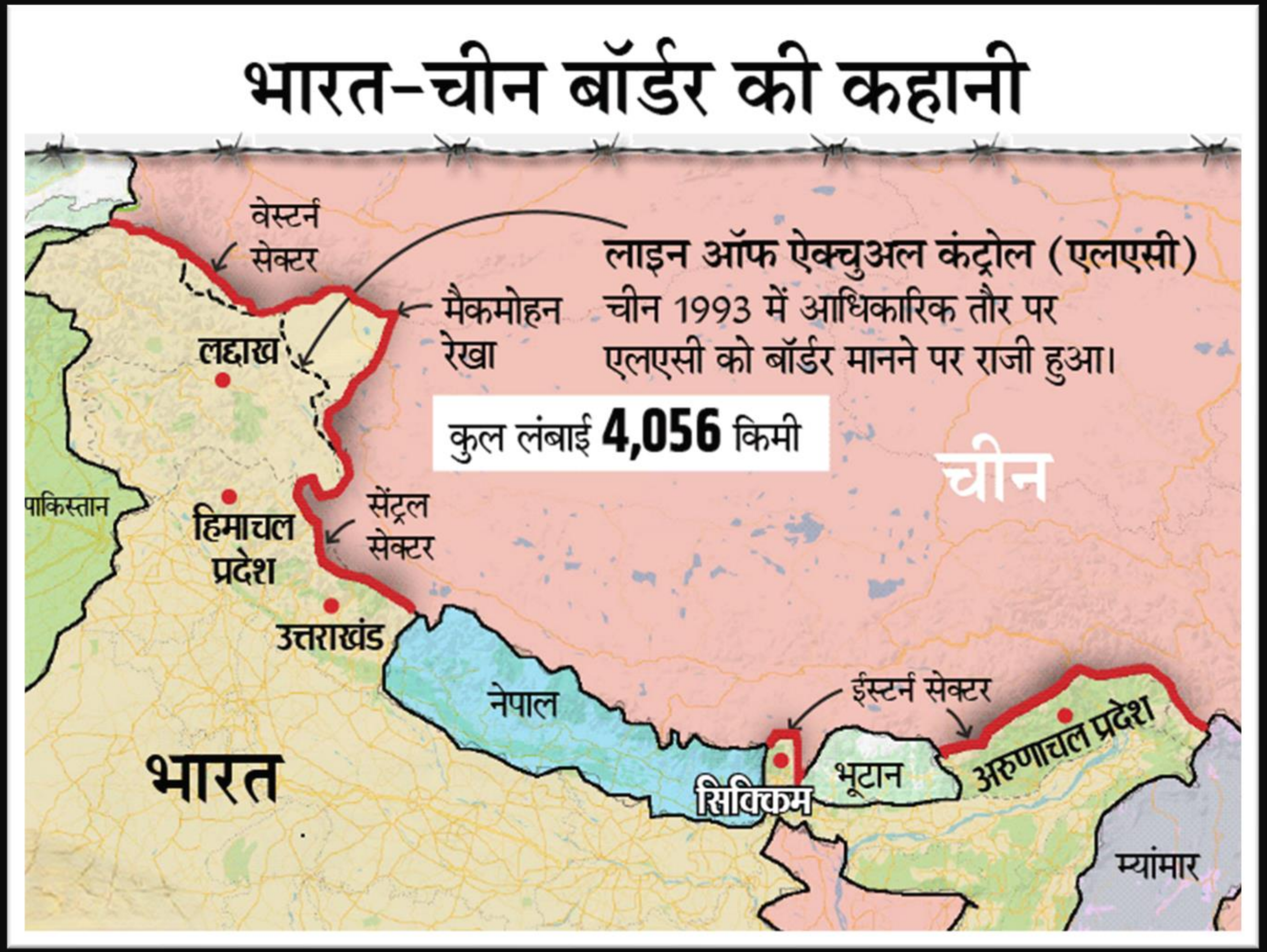

2. अरुणाचल प्रदेश

- भारत इसे अपना संप्रभु राज्य मानता है।
- चीन इसे "दक्षिण तिब्बत" बताकर अपना दावा करता है।
- 1962 के युद्ध में चीन ने इसे कुछ समय के लिए कब्जे में लिया, लेकिन बाद में पीछे हट गया।

भारत-चीन विवाद एवं भारत-चीन सीमा विवाद समझौता

भारत-चीन युद्ध (1962)

- चीन ने 20 अक्टूबर 1962 को हमला किया और पूर्वी (अरुणाचल प्रदेश) व पश्चिमी (अक्साई चिन) क्षेत्रों में युद्ध हुआ।
- नवंबर 1962 में चीन ने एकतरफा युद्धविराम घोषित कर दिया।
- युद्ध के बाद, अक्साई चिन पर चीन का कब्ज़ा बना रहा, जबकि अरुणाचल प्रदेश भारत के नियंत्रण में रहा।

भारत-चीन विवाद एवं भारत-चीन सीमा विवाद समझौता

Result Mitra

भारत-चीन सीमा विवाद से जुड़े प्रमुख समझौते

1. 1993 - सीमा शांति एवं स्थिरता समझौता

- वास्तविक नियंत्रण रेखा (LAC) पर शांति बनाए रखने के लिए भारत और चीन के बीच समझौता।

2. 1996 - सैन्य गतिविधियों पर नियंत्रण समझौता

- सीमा पर सैन्य गतिविधियों को नियंत्रित करने और सैनिकों को दूर रखने का प्रावधान।

3. 2005 - राजनीतिक मापदंड और मार्गदर्शक सिद्धांत समझौता

- सीमा विवाद सुलझाने के लिए राजनीतिक स्तर पर वार्ता का मार्गदर्शन।

4. 2013 - सीमा रक्षा सहयोग समझौता (BDCA)

- सीमा पर तनाव कम करने और किसी भी संघर्ष को रोकने हेतु सहयोग।

5. 2020-21 - गलवान घाटी संघर्ष और समझौते

- जून 2020 में गलवान घाटी में झड़प हुई, जिसमें 20 भारतीय सैनिक शहीद हुए।
- इसके बाद कई दौर की वार्ता के बाद पीछे हटने (disengagement) के लिए समझौते हुए।

भारत-चीन संबंध (India-China Relations)

- भारत और चीन दुनिया की दो सबसे अधिक जनसंख्या वाले देश हैं और एशिया की दो प्रमुख शक्तियाँ हैं। इनके आपसी संबंधों का इतिहास प्राचीन सभ्यताओं, व्यापार, सांस्कृतिक आदान-प्रदान, सहयोग और संघर्ष से जुड़ा हुआ है।

भारत-चीन संबंधों का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य

- प्राचीन काल (BCE - 19वीं सदी)
- बौद्ध धर्म का प्रसार: चीन में बौद्ध धर्म भारतीय भिक्षुओं (फाह्यान, ह्वेनसांग) द्वारा फैलाया गया।

भारत-चीन विवाद एवं भारत-चीन सीमा विवाद समझौता

Result Mitra

- सिल्क रूट (Silk Route): व्यापारिक मार्ग जो भारत-चीन के बीच आर्थिक संबंधों का आधार बना।
- चीन के यात्री ह्वेनसांग और फाह्यान भारत आए और यहां के समाज व संस्कृति का वर्णन किया।

औपनिवेशिक काल (19वीं-20वीं सदी)

- ब्रिटिश शासन के दौरान भारत-चीन व्यापार सीमित था।
- तिब्बत को लेकर विवाद शुरू हुआ।

स्वतंत्रता के बाद (1947 से अब तक)

- **1950:** चीन ने तिब्बत पर कब्जा कर लिया, जिससे भारत-चीन संबंधों में तनाव आया।
- **1954:** पंचशील समझौता (Panchsheel Agreement) – शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के 5 सिद्धांतों पर सहमति बनी।
- **1962:** भारत-चीन युद्ध – चीन ने भारत पर हमला किया और अक्साई चिन पर कब्जा कर लिया।
- **1976:** दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंध पुनः स्थापित हुए।
- **1988:** प्रधानमंत्री राजीव गांधी की चीन यात्रा से संबंधों में सुधार हुआ।
- **1993 & 1996:** सीमा पर शांति बनाए रखने के लिए समझौते हुए।

भारत-चीन संबंधों के प्रमुख क्षेत्र

1. राजनीतिक संबंध

- दोनों देश ब्रिक्स (BRICS), शंघाई सहयोग संगठन (SCO), एशियन इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट बैंक (AIIB) जैसे अंतरराष्ट्रीय संगठनों में सहयोग करते हैं।
- डोकलाम (2017) और गलवान (2020) विवाद ने संबंधों में कड़वाहट बढ़ाई।
- द्विपक्षीय वार्ताओं के बावजूद सीमा विवाद बना हुआ है।

2. आर्थिक संबंध

- व्यापारिक साझेदारी: चीन भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है।
- 2022 में भारत-चीन व्यापार 135 बिलियन डॉलर के पार चला गया, लेकिन भारत का व्यापार घाटा बहुत ज्यादा है।
- चीन से भारत का आयात: इलेक्ट्रॉनिक्स, मशीनरी, फार्मास्युटिकल्स।
- भारत से चीन का निर्यात: फार्मा, टेक्सटाइल, कृषि उत्पाद।

3. सीमा विवाद और सुरक्षा मुद्दे

- प्रमुख विवादित क्षेत्र: अक्साई चिन और अरुणाचल प्रदेश।
- चीन भारत के पूर्वोत्तर विद्रोहियों को समर्थन देने के आरोपों से घिरा रहा है।
- चीन पाकिस्तान को सैन्य समर्थन देता है, जिससे भारत चिंतित रहता है।

4. सांस्कृतिक और शैक्षिक संबंध

- भारत में चीनी भाषा (मंदारिन) और संस्कृति को बढ़ावा दिया जा रहा है।
- चीन में भारतीय योग और आयुर्वेद लोकप्रिय हो रहे हैं।
- दोनों देशों के छात्र उच्च शिक्षा के लिए एक-दूसरे के देश जाते हैं।

5. कूटनीतिक संबंध

- वुहान (2018) और महाबलीपुरम (2019) शिखर सम्मेलन में दोनों देशों ने संबंध सुधारने की कोशिश की।
- 2020 के बाद गलवान संघर्ष के कारण द्विपक्षीय संबंध तनावपूर्ण बने हुए हैं।

भारत-चीन विवाद एवं भारत-चीन सीमा विवाद समझौता

Result Mitra

भारत-चीन संबंधों की प्रमुख चुनौतियाँ

- 1. सीमा विवाद और सैन्य झड़पें (गलवान घाटी, डोकलाम विवाद)।
- 2. चीन-पाकिस्तान सहयोग (CPEC, सैन्य साझेदारी)।
- 3. चीन की आक्रामक विदेश नीति (दक्षिण चीन सागर, हिंद महासागर में दबदबा बढ़ाना)।
- 4. चीन का बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (BRI) जिसमें भारत शामिल नहीं है।
- 5. व्यापार असंतुलन - भारत का भारी व्यापार घाटा।

भारत-चीन विवाद एवं भारत-चीन सीमा विवाद समझौता

Result Mitra

भारत-चीन संबंधों में सुधार के प्रयास

- व्यापार और निवेश सहयोग को बढ़ावा देना।
- सीमा विवाद को शांतिपूर्ण वार्ता के माध्यम से हल करने का प्रयास।
- बहुपक्षीय मंचों (BRICS, SCO) में सहयोग बढ़ाना।
- नए व्यापार समझौतों और विनिर्माण क्षेत्र में सहयोग।

प्रश्न 1: भारत-चीन संबंधों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:
1. 1962 के भारत-चीन युद्ध के बाद दोनों देशों के बीच "पंचशील समझौता" हुआ था।
2. भारत और चीन के बीच वास्तविक नियंत्रण रेखा (LAC) को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक समझौता नहीं हुआ है।
3. डोकलाम संकट 2017 में भारत और चीन के बीच भूटान के क्षेत्र में हुआ था।
सही विकल्प चुनें:
(A) केवल 1 और 2
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 1 और 3
(D) 1, 2 और 3

स्पष्टीकरण:

• "पंचशील समझौता" 1954 में हुआ था, 1962 युद्ध के बाद नहीं।
LAC को लेकर भारत और चीन के बीच कोई औपचारिक संधि नहीं हुई है।
डोकलाम संकट भूटान, भारत और चीन के बीच एक सीमा विवाद था।

Result Mitra
भारत-मालदीव संबंध एवं विवाद
(India-Maldives Relations and Disputes)

प्रश्न 2: मालदीव के भू-राजनीतिक महत्व के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:
1. मालदीव का रणनीतिक स्थान उसे भारत के समुद्री सुरक्षा हितों के लिए महत्वपूर्ण बनाता है।
2. मालदीव चीन की "बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (BRI)" का हिस्सा नहीं है।
3. भारत मालदीव में 'Greater Male Connectivity Project' (GMCP) का निर्माण कर रहा है।
सही उत्तर चुनें:
(A) केवल 1 और 2
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 1 और 3
(D) 1, 2 और 3

भारत-मालदीव संबंध एवं विवाद

Result Mitra

- भारत और मालदीव के संबंध ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, आर्थिक और रणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण रहे हैं। मालदीव हिंद महासागर में स्थित एक महत्वपूर्ण द्वीपीय राष्ट्र है और भारत की "पड़ोसी पहले" (Neighbourhood First) नीति और "सागर (SAGAR - Security and Growth for All in the Region)" दृष्टिकोण का हिस्सा है। हालाँकि, हाल के वर्षों में भारत और मालदीव के बीच कुछ राजनीतिक और कूटनीतिक विवाद भी उभरे हैं।

भारत-मालदीव संबंध एवं विवाद

Result Mitra

भारत-मालदीव संबंधों का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य

- **प्राचीन काल:** भारत और मालदीव के बीच व्यापारिक और सांस्कृतिक आदान-प्रदान होता था।
- **औपनिवेशिक काल:** ब्रिटेन ने 1887 में मालदीव को अपने संरक्षण में लिया।
- **1965:** मालदीव को स्वतंत्रता मिली और 1972 में भारत-मालदीव के बीच राजनयिक संबंध स्थापित हुए।
- **1988:** भारत ने "ऑपरेशन कैक्टस" के तहत मालदीव में तख्तापलट को विफल किया और सरकार को बचाया।

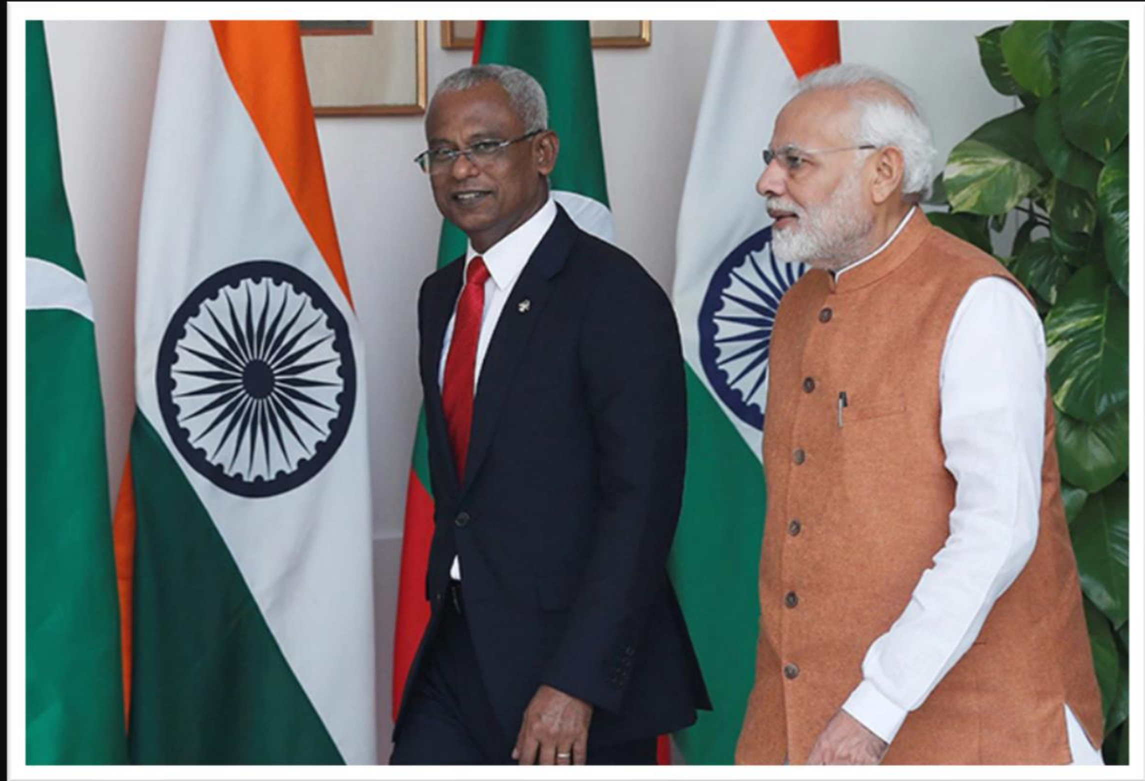

भारत-मालदीव संबंधों के प्रमुख क्षेत्र

1. राजनीतिक एवं कूटनीतिक संबंध

- "पड़ोसी पहले" (Neighbourhood First) नीति के तहत भारत मालदीव का समर्थन करता है।
- मालदीव में राजनीतिक अस्थिरता के दौरान भारत ने लोकतंत्र और स्थिरता का समर्थन किया।
- मालदीव चीन के प्रभाव में आकर कभी-कभी भारत विरोधी नीतियां अपनाता है।

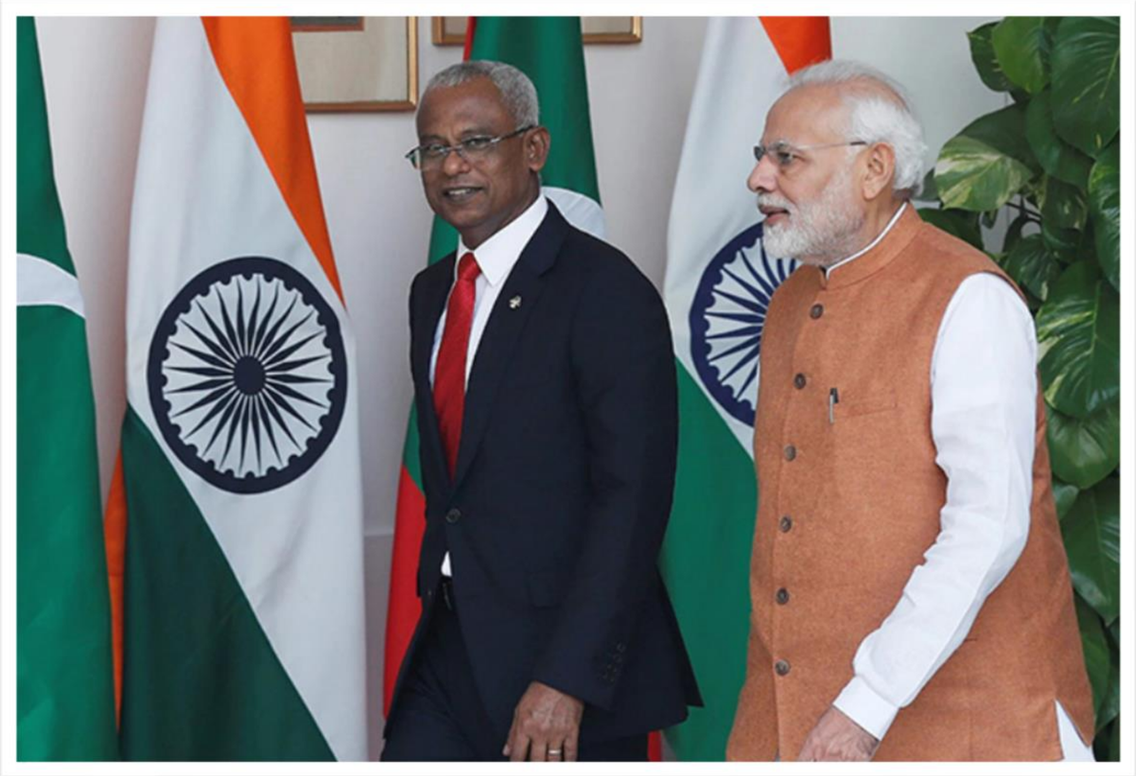

2. आर्थिक एवं व्यापारिक संबंध

- भारत मालदीव को अनुदान सहायता, निवेश, और विकास परियोजनाएं प्रदान करता है।
- 2021-22 में भारत-मालदीव व्यापार लगभग 300 मिलियन डॉलर था।
- भारत मालदीव को चावल, गेहूं, दवाइयाँ और कंस्ट्रक्शन सामग्री निर्यात करता है।

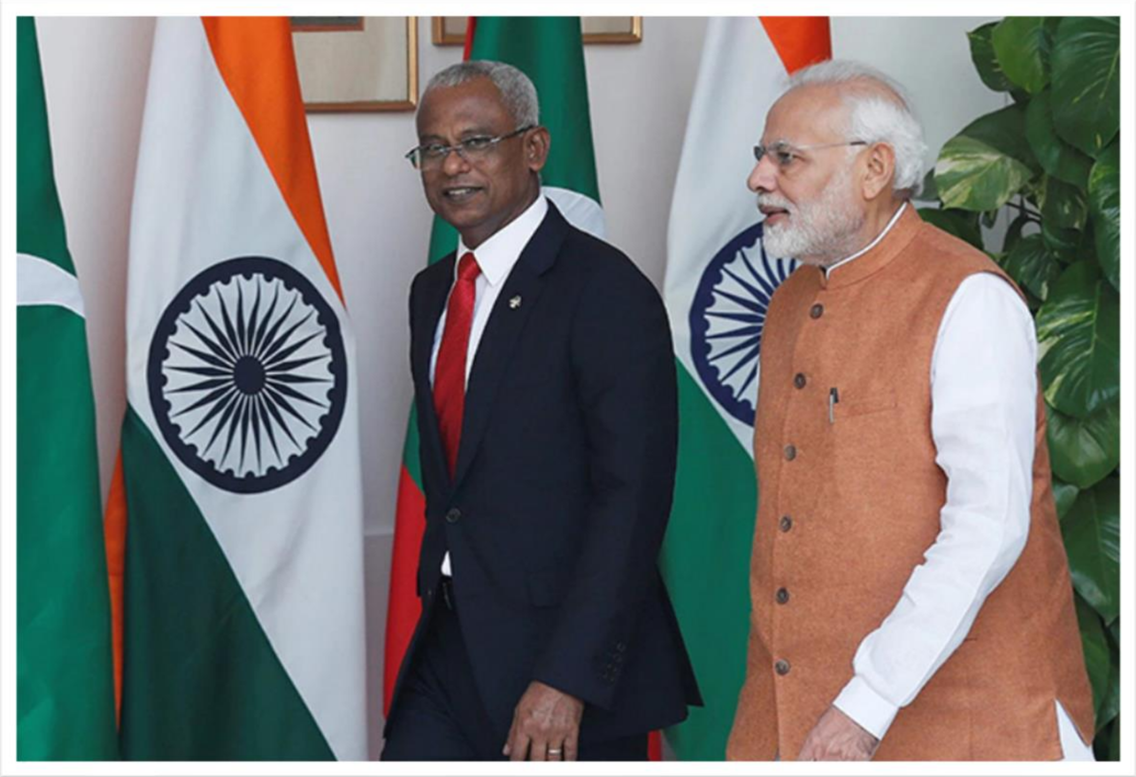

3. रक्षा और सुरक्षा सहयोग

- भारत मालदीव की समुद्री सुरक्षा (Coast Guard) में मदद करता है।
- भारत ने रडार सिस्टम और सैन्य उपकरण प्रदान किए हैं।
- "ऑपरेशन कैक्टस" (1988): भारत ने मालदीव में तख्तापलट को विफल किया।

4. रणनीतिक और भू-राजनीतिक महत्व

- मालदीव हिंद महासागर में स्थित है और भारत के समुद्री हितों के लिए महत्वपूर्ण है।
- चीन के "स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स" (String of Pearls) रणनीति के तहत मालदीव में बढ़ता प्रभाव भारत के लिए चिंता का विषय है।

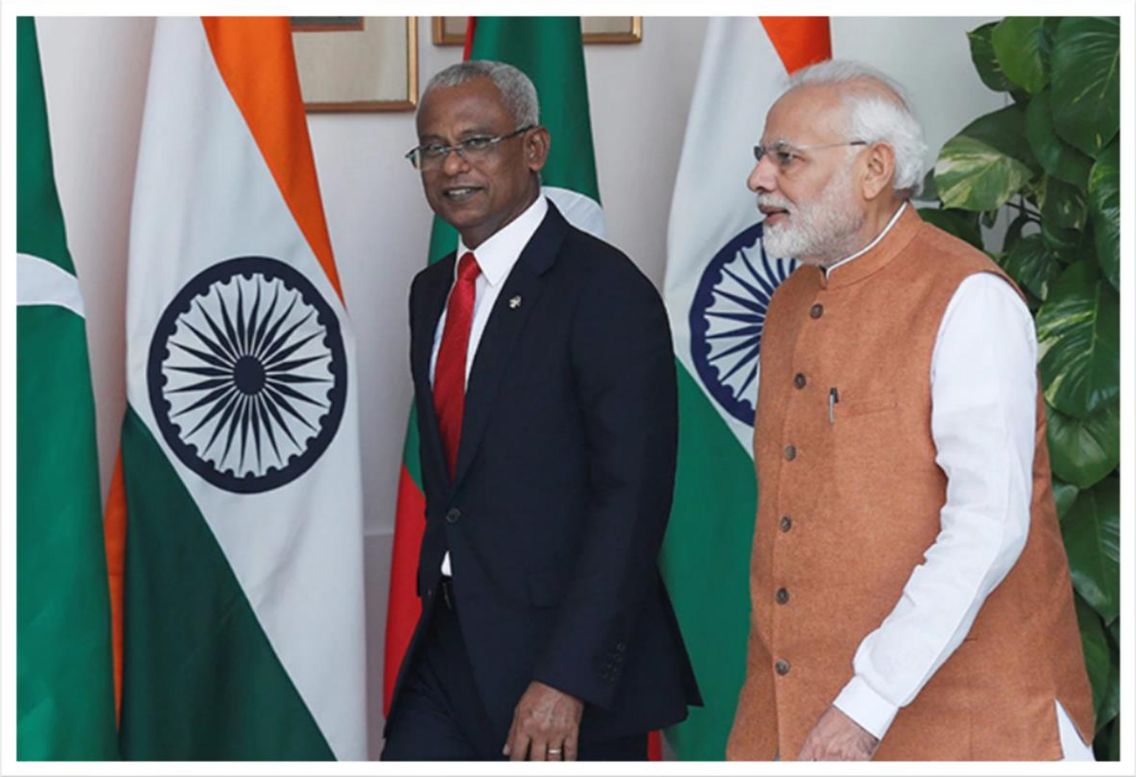

5. सांस्कृतिक एवं जन-से-जन संबंध

- भारत और मालदीव के बीच सांस्कृतिक समानता है।
- मेडिकल टूरिज्म: मालदीव के कई नागरिक इलाज के लिए भारत आते हैं।
- भारत के कई शिक्षाविद और डॉक्टर मालदीव में काम करते हैं।

भारत-मालदीव संबंध एवं विवाद

Result Mitra

- ***भारत-मालदीव विवाद और चुनौतियाँ***

1. चीन का प्रभाव और भारत विरोधी नीतियाँ

- चीन-मालदीव के बढ़ते संबंध: चीन ने मालदीव में बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स में निवेश किया, जिससे मालदीव भारत से दूर होता जा रहा है।
- मालदीव ने चीन के बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (BRI) का समर्थन किया।

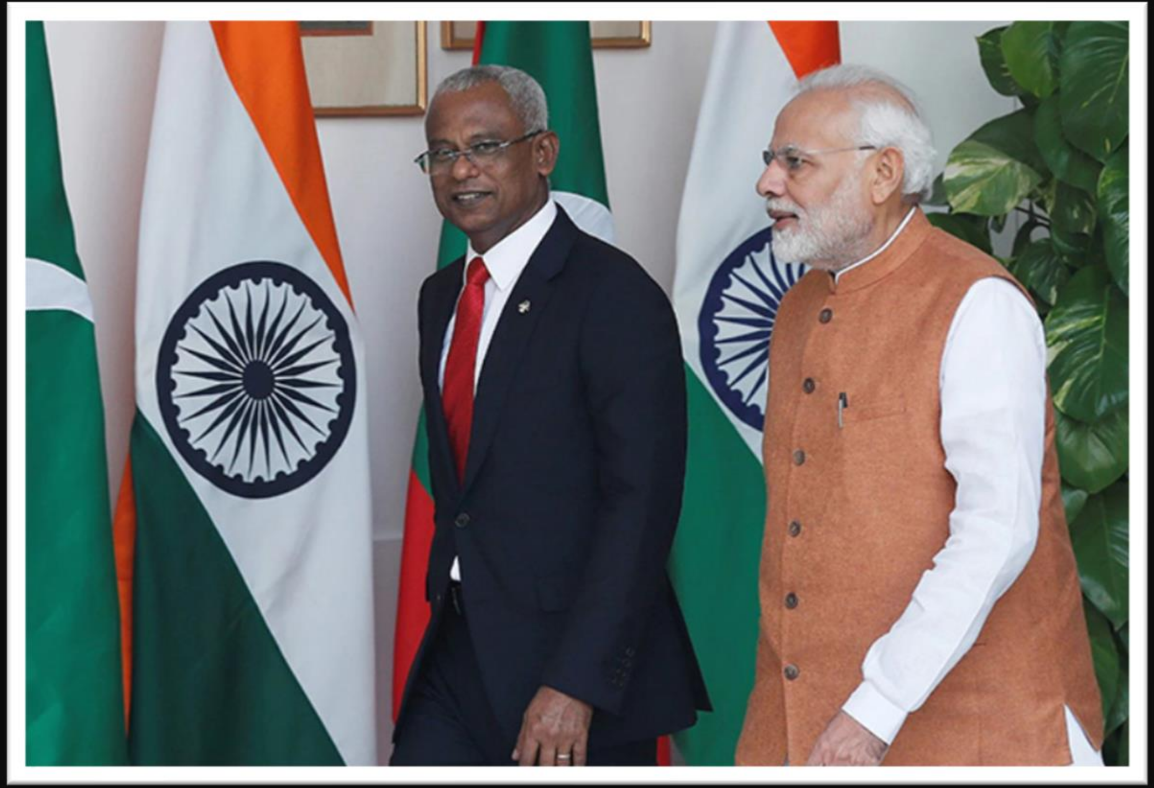

2. "इंडिया आउट" अभियान (India Out Campaign)

- 2021-22 में मालदीव में भारत विरोधी अभियान चला, जिसमें आरोप लगाया गया कि भारत मालदीव के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप कर रहा है।
- पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल्ला यामीन ने इसे बढ़ावा दिया, लेकिन भारत ने इसे "गलत जानकारी पर आधारित अभियान" बताया।

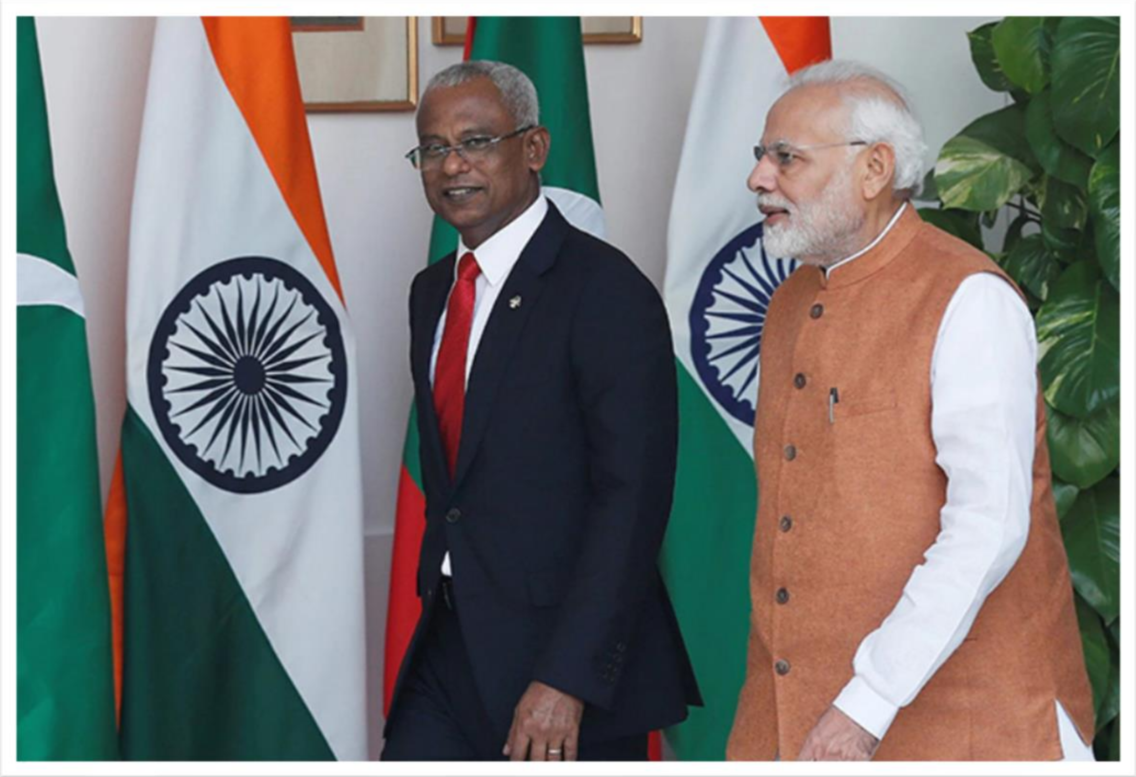

3. मालदीव सरकार की भारत विरोधी टिप्पणियाँ (2024 विवाद)

- 2024 में मालदीव के कुछ सरकारी अधिकारियों ने भारत विरोधी बयान दिए, जिससे संबंध तनावपूर्ण हो गए।
- इसके बाद भारत में #BoycottMaldives ट्रेंड करने लगा और भारतीय पर्यटकों ने मालदीव की यात्रा कम कर दी।

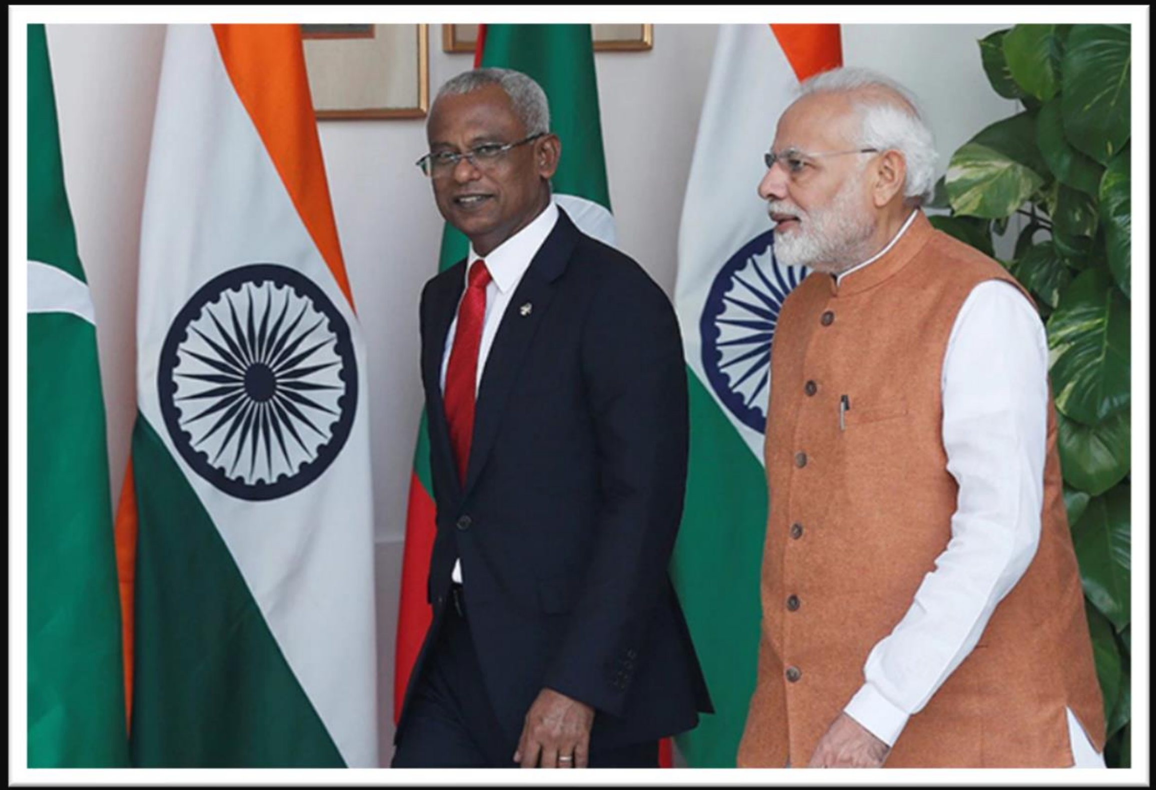

4. सैन्य उपस्थिति को लेकर विवाद

- मालदीव में भारतीय सैन्य हेलीकॉप्टर और कर्मचारी तैनात हैं।
- 2024 में मालदीव की नई सरकार (मोहम्मद मुइज़्ज़ू) ने भारतीय सैनिकों को हटाने की मांग की।

5. मत्स्य पालन और समुद्री विवाद

- भारतीय मछुआरों और मालदीव के मछुआरों के बीच समुद्री क्षेत्र में अवैध मछली पकड़ने को लेकर विवाद रहता है।

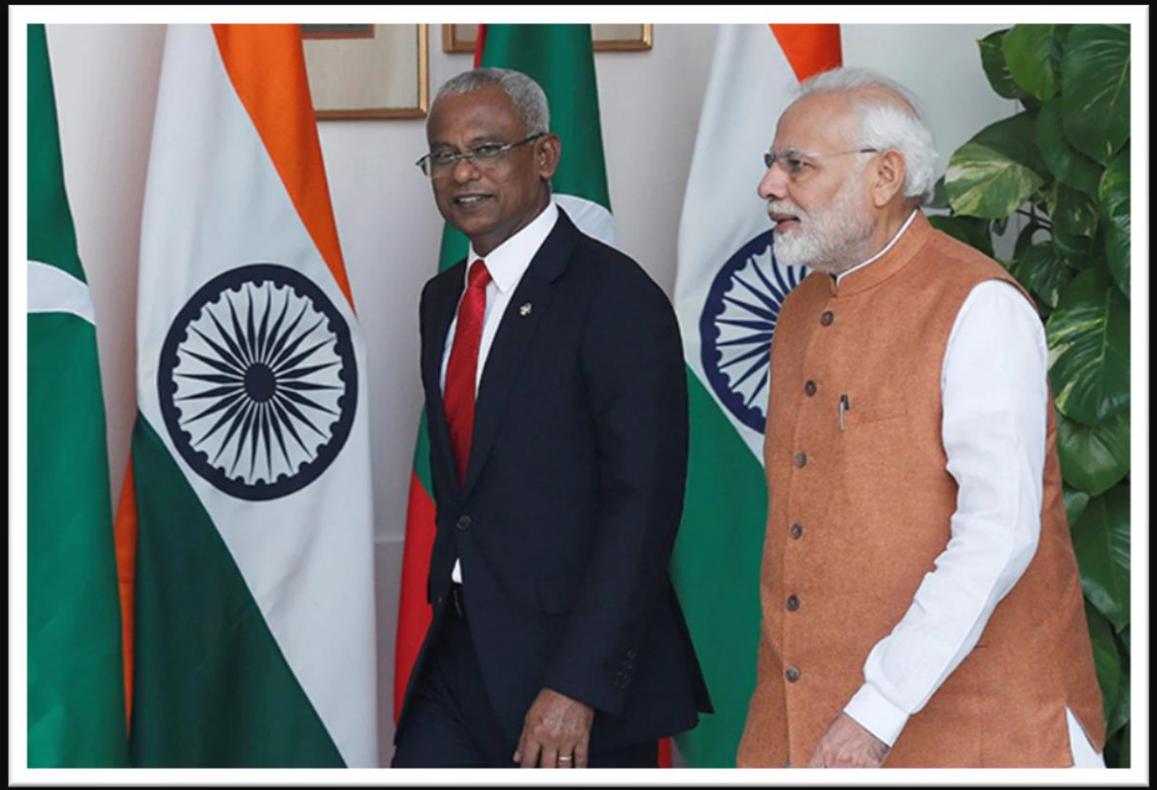

भारत-मालदीव संबंधों में सुधार के प्रयास

- 1. राजनयिक संवाद को मजबूत करना और गलतफहमियों को दूर करना।
- 2. सुरक्षा सहयोग को जारी रखना और चीन के प्रभाव को संतुलित करना।
- 3. आर्थिक सहयोग और निवेश बढ़ाना जिससे मालदीव की आर्थिक निर्भरता भारत पर बनी रहे।
- 4. सांस्कृतिक और पर्यटन संबंधों को बढ़ावा देना ताकि जन-स्तरीय संबंध मजबूत हों।
- 5. "सागर" (SAGAR) नीति के तहत समुद्री सुरक्षा और रक्षा सहयोग को गहरा करना।

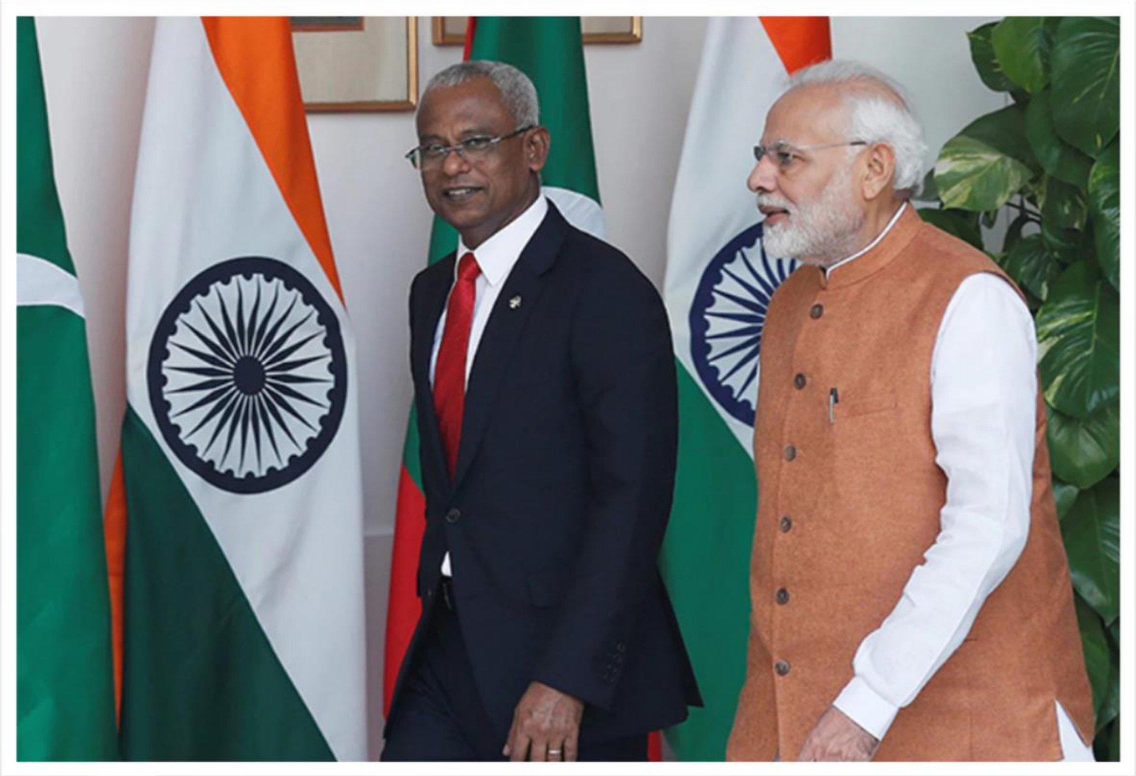

Daily Current News

भारत-मालदीव संबंध एवं विवाद

Result Mitra

प्रश्न 2: मालदीव के भू-राजनीतिक महत्व के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:
1. मालदीव का रणनीतिक स्थान उसे भारत के समुद्री सुरक्षा हितों के लिए महत्वपूर्ण बनाता है।
2. मालदीव चीन की "बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (BRI)" का हिस्सा नहीं है।
3. भारत मालदीव में 'Greater Male Connectivity Project' (GMCP) का निर्माण कर रहा है।

सही उत्तर चुनें:

(A) केवल 1 और 2
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 1 और 3
(D) 1, 2 और 3

स्पष्टीकरण:

• मालदीव हिंद महासागर के महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों पर स्थित है, इसलिए इसका रणनीतिक महत्व है।

• मालदीव ने चीन की BRI परियोजना में भाग लिया है, इसलिए दूसरा कथन गलत है।

• भारत Greater Male Connectivity Project (GMCP) का निर्माण कर रहा है, जो मालदीव की सबसे बड़ी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में से एक है।

भारत-कनाडा संबंध एवं हालिया विवाद
(India-Canada Relations & Recent Disputes)

Result Mitra

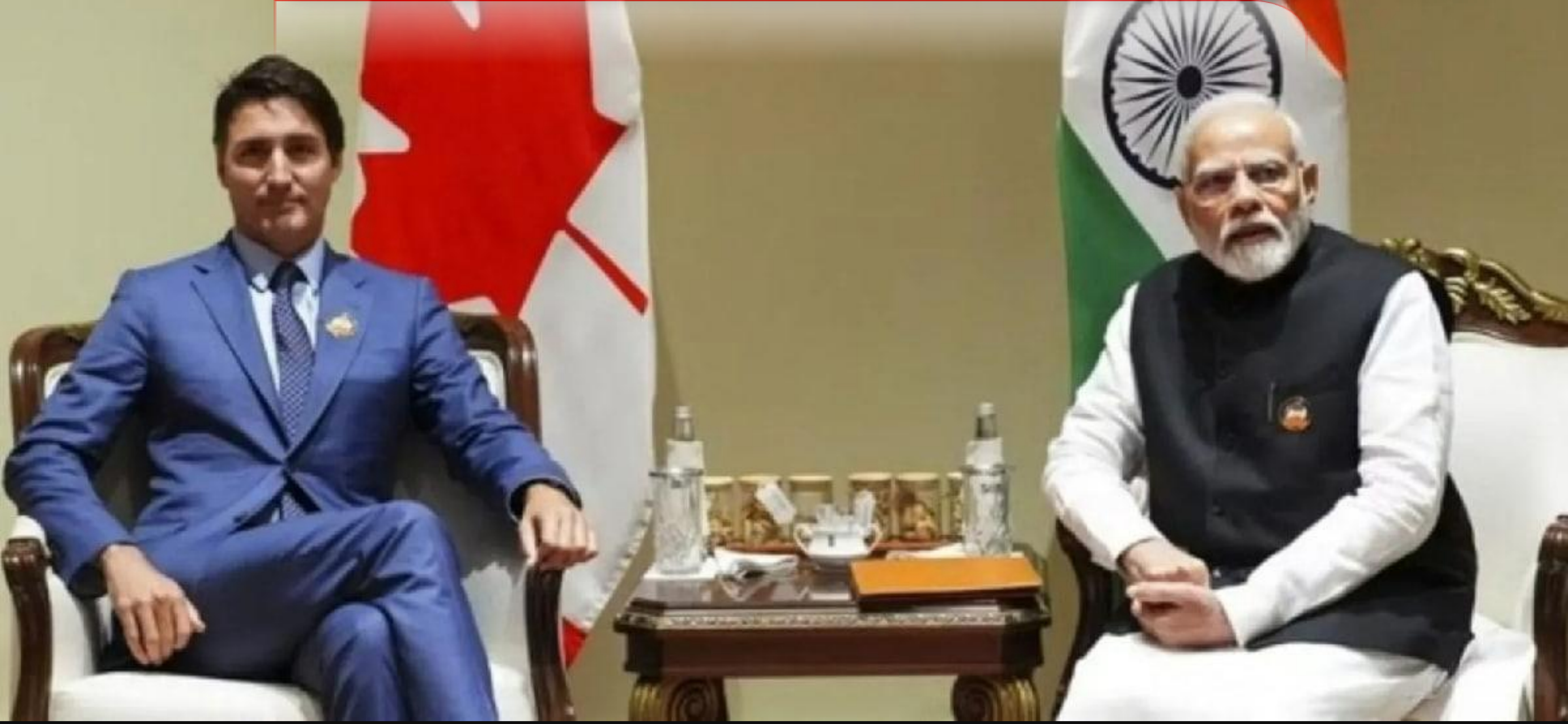

प्रश्न 1: भारत-कनाडा संबंधों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:
1. भारत और कनाडा के बीच "Comprehensive Economic Partnership Agreement (CEPA)" लागू है।
2. कनाडा, भारत को यूरेनियम आपूर्ति करने वाला एक प्रमुख देश है।
3. भारत और कनाडा दोनों G20 और QUAD के सदस्य हैं।
सही उत्तर चुनें:
(A) केवल 1 और 2
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 1 और 3
(D) केवल 2

भारत-कनाडा संबंध एवं हालिया विवाद

Result Mitra

- भारत और कनाडा के बीच ऐतिहासिक रूप से मजबूत राजनयिक, व्यापारिक, सांस्कृतिक और आप्रवासन संबंध रहे हैं। हालांकि, हाल के वर्षों में खालिस्तानी अलगाववाद, कूटनीतिक तनाव और राजनीतिक मतभेदों के कारण दोनों देशों के संबंधों में उतार-चढ़ाव देखने को मिला है।

भारत-कनाडा संबंधों का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य

- **1947:** भारत की स्वतंत्रता के बाद दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंध स्थापित हुए।
- **1950-80:** कनाडा ने भारत की परमाणु ऊर्जा और कृषि क्षेत्र में सहयोग किया।

भारत-कनाडा संबंध एवं हालिया विवाद

Result Mitra

- **1974:** भारत द्वारा परमाणु परीक्षण (Smiling Buddha) के बाद कनाडा ने परमाणु सहयोग समाप्त कर दिया।
- **2010:** दोनों देशों के संबंधों में सुधार हुआ और नागरिक परमाणु सहयोग समझौता हुआ।
- **2015:** भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कनाडा यात्रा से संबंधों में मजबूती आई।

भारत-कनाडा संबंधों के प्रमुख क्षेत्र

1. राजनीतिक और कूटनीतिक संबंध

- भारत और कनाडा लोकतांत्रिक और बहुसांस्कृतिक देश हैं।
- ग्लोबल फोरम: G20, कॉमनवेल्थ, यूनाइटेड नेशंस (UN), WTO में दोनों देश सहयोग करते हैं।
- हालांकि, कनाडा में खालिस्तानी समर्थक गतिविधियाँ भारत-कनाडा संबंधों में तनाव पैदा करती हैं।

2. आर्थिक और व्यापारिक संबंध

- भारत-कनाडा व्यापार (2022-23): लगभग 8.16 बिलियन डॉलर।
- कनाडा भारत को खनिज, लकड़ी, कागज, तेल और उर्वरक निर्यात करता है।
- भारत कनाडा को कपड़ा, दवाइयाँ, इंजीनियरिंग उत्पाद और आईटी सेवाएँ निर्यात करता है।
- व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता (CEPA) पर वार्ता जारी है।

3. रक्षा और सुरक्षा सहयोग

- आतंकवाद और उग्रवाद से निपटने के लिए दोनों देश सुरक्षा सहयोग बढ़ाने पर सहमत हैं।
- हालाँकि, खालिस्तानी गतिविधियों को लेकर भारत कनाडा से सख्त कार्रवाई की मांग करता रहा है।

4. आप्रवासन और जन-संबंध

- कनाडा में लगभग 18 लाख भारतीय मूल के लोग रहते हैं, जो कुल जनसंख्या का 5% हैं।
- भारत से कनाडा जाने वाले छात्रों की संख्या 2023 में 3 लाख के पार पहुँच गई।
- भारतीय समुदाय कनाडा की अर्थव्यवस्था और राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

भारत-कनाडा के मध्य हालिया विवाद (2023-24)

1. खालिस्तानी अलगाववाद और आतंकवाद

- कनाडा में खालिस्तानी समर्थक समूह सक्रिय हैं, जो भारत विरोधी गतिविधियों में शामिल हैं।
- जून 2023 में कनाडा में भिंडरावाले और खालिस्तानी आतंकियों की समर्थन रैली आयोजित की गई, जिससे भारत ने विरोध जताया।

2. हरदीप सिंह निज्जर की हत्या और राजनयिक संकट (2023)

- सितंबर 2023 में कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने आरोप लगाया कि भारत खालिस्तानी अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में शामिल है।
- भारत ने इस आरोप को खारिज किया और इसे "असत्य और निराधार" बताया।
- इसके बाद दोनों देशों ने एक-दूसरे के राजनयिकों को निष्कासित कर दिया।

3. व्यापार वार्ता में रुकावट

- सितंबर 2023 में व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (CEPA) की वार्ता को कनाडा ने रोक दिया।
- भारत ने कनाडा के इस कदम को राजनीतिक तनाव से प्रेरित बताया।

4. वीजा सेवा निलंबन

- अक्टूबर 2023 में भारत ने कनाडा के नागरिकों के लिए वीजा सेवाएँ अस्थायी रूप से निलंबित कर दीं।
- यह निर्णय सुरक्षा कारणों से लिया गया, क्योंकि कनाडा में भारतीय राजनयिकों को धमकियाँ मिल रही थीं।

5. जी20 सम्मेलन में भारत-कनाडा मतभेद

- G20 शिखर सम्मेलन (सितंबर 2023, भारत) में जस्टिन ट्रूडो को ठंडी प्रतिक्रिया मिली।
- ट्रूडो ने भारत पर खालिस्तानी मामलों में सहयोग की अपील की, जिसे भारत ने खारिज कर दिया।

भारत-कनाडा विवाद के प्रभाव

- **राजनीतिक असर:** राजनयिक संबंधों में गिरावट आई और विश्वास की कमी बढ़ी।
- **आर्थिक असर:** व्यापार वार्ता में बाधा आई, लेकिन व्यापार पर सीधा प्रभाव सीमित रहा।
- **आप्रवासन पर प्रभाव:** भारतीय छात्रों और प्रवासियों को कनाडा में सुरक्षा को लेकर चिंता हुई।
- **रणनीतिक असर:** भारत ने पश्चिमी देशों में कनाडा की स्थिति को कमजोर करने की कोशिश की।

भारत-कनाडा संबंध एवं हालिया विवाद

प्रश्न 1: भारत-कनाडा संबंधों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. भारत और कनाडा के बीच "Comprehensive Economic Partnership Agreement (CEPA)" लागू है।
2. कनाडा, भारत को यूरेनियम आपूर्ति करने वाला एक प्रमुख देश है।
3. भारत और कनाडा दोनों G20 और QUAD के सदस्य हैं।

सही उत्तर चुनें:

(A) केवल 1 और 2
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 1 और 3
(D) केवल 2

स्पष्टीकरण:

- भारत और कनाडा के बीच Comprehensive Economic Partnership Agreement (CEPA) पर अभी तक अंतिम समझौता नहीं हुआ है।
- कनाडा भारत को यूरेनियम आपूर्ति करने वाले प्रमुख देशों में से एक है।
- भारत G20 और QUAD दोनों का सदस्य है, लेकिन कनाडा QUAD का सदस्य नहीं है।

आसियान (ASEAN) और भारत-आसियान संबंध

Result Mitra

प्रश्न : आसियान के सदस्य देशों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. आसियान में कुल 10 सदस्य देश हैं।
2. भारत और चीन आसियान के पूर्ण सदस्य हैं।
3. पूर्वी तिमोर (East Timor) को आसियान की सदस्यता प्रदान की गई है।

सही उत्तर चुनें:

(A) केवल 1 और 3
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 1 और 2
(D) केवल 3

आसियान (ASEAN) क्या है?

- आसियान (ASEAN - Association of Southeast Asian Nations) दक्षिण-पूर्व एशिया के 10 देशों का एक क्षेत्रीय संगठन है, जिसका उद्देश्य आर्थिक, राजनीतिक, सुरक्षा और सांस्कृतिक सहयोग को बढ़ावा देना है। यह संगठन हिंद-प्रशांत क्षेत्र में व्यापार, निवेश और कूटनीतिक संबंधों के लिए महत्वपूर्ण है।

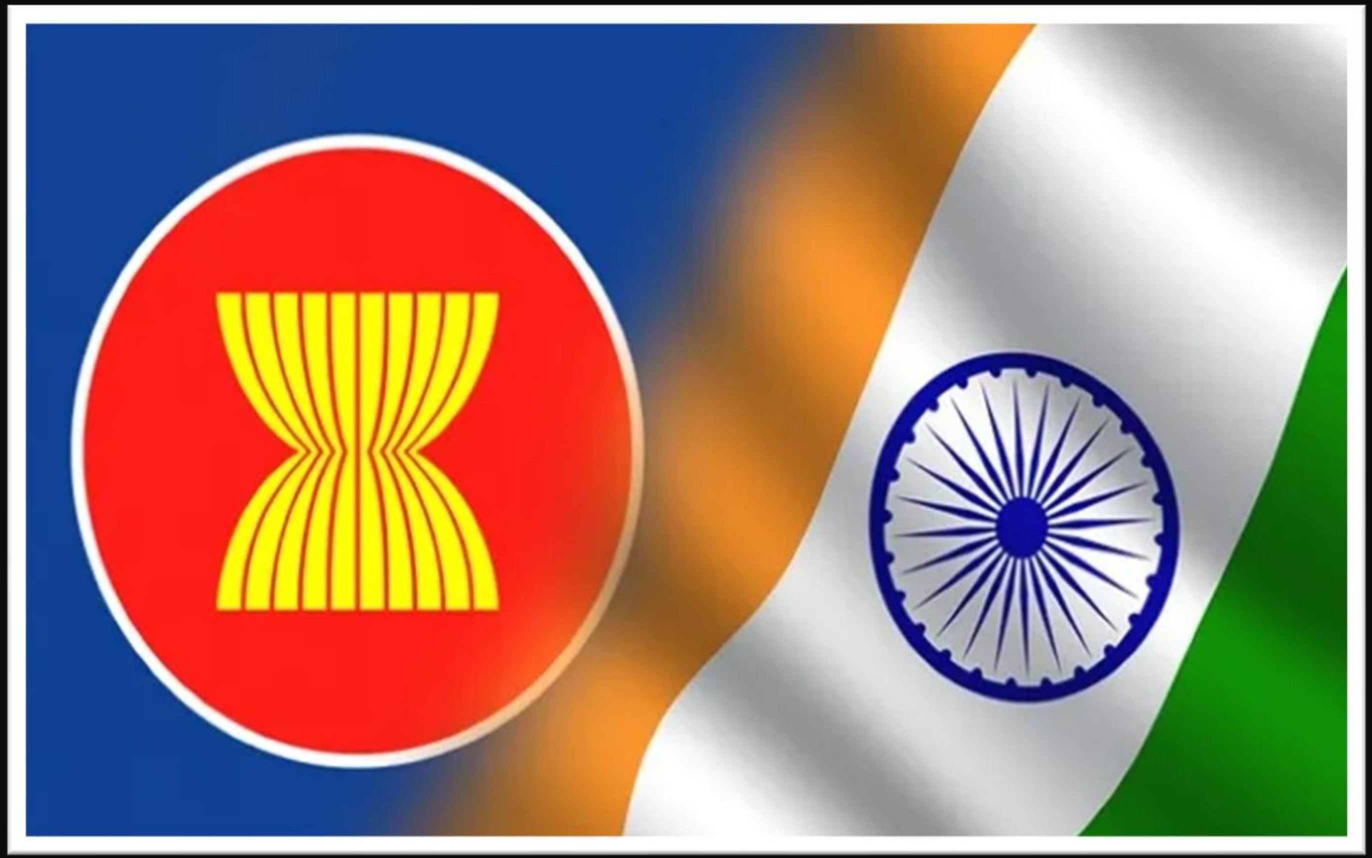

आसियान (ASEAN) की स्थापना

स्थापना:

- 8 अगस्त 1967 को बैंकॉक, थाईलैंड में "बैंकॉक घोषणा" (Bangkok Declaration) के तहत इसकी स्थापना हुई।

स्थापना के संस्थापक देश:

- 1. थाईलैंड
- 2. इंडोनेशिया
- 3. मलेशिया
- 4. सिंगापुर
- 5. फिलीपींस

आसियान (ASEAN) और भारत-आसियान संबंध

Result Mitra

वर्तमान सदस्य देश (10 देश):

- 1. इंडोनेशिया
- 2. थाईलैंड
- 3. मलेशिया
- 4. सिंगापुर
- 5. फिलीपींस
- 6. वियतनाम (1995 में शामिल)
- 7. म्यांमार (1997 में शामिल)
- 8. लाओस (1997 में शामिल)
- 9. कंबोडिया (1999 में शामिल)
- 10. ब्रुनेई (1984 में शामिल)

आसियान (ASEAN) और भारत-आसियान संबंध

मुख्यालय:

- जकार्ता, इंडोनेशिया

आसियान का उद्देश्य:

- दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों में आर्थिक और व्यापारिक सहयोग को बढ़ावा देना।
- क्षेत्रीय शांति और स्थिरता को बनाए रखना।
- सांस्कृतिक और सामाजिक सहयोग को मजबूत करना।
- स्वतंत्र व्यापार क्षेत्र (AFTA - ASEAN Free Trade Area) विकसित करना।
- वैश्विक शक्तियों के साथ संतुलन बनाए रखना (भारत, चीन, अमेरिका, जापान)।

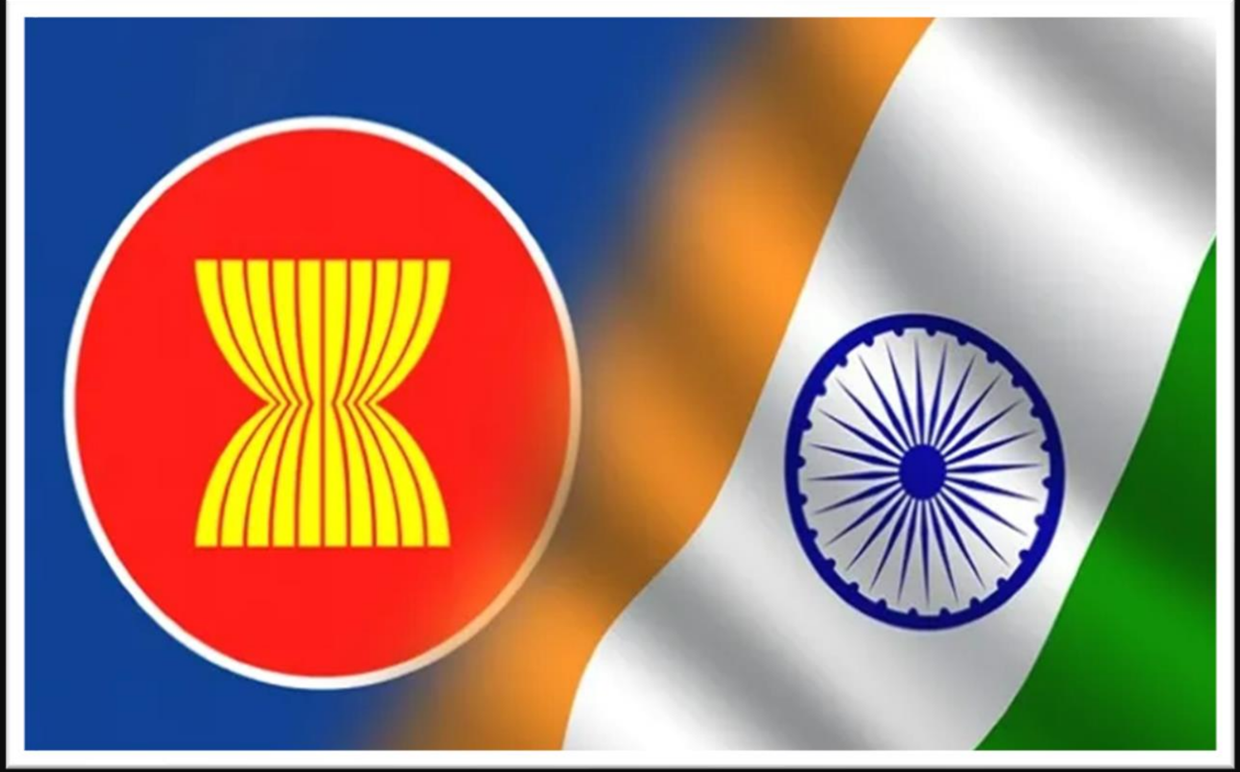

भारत-आसियान संबंध

- भारत और आसियान के बीच राजनीतिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और सुरक्षा सहयोग मजबूत रहा है। भारत "एक्ट ईस्ट पॉलिसी" (Act East Policy) के तहत आसियान देशों के साथ अपने संबंधों को बढ़ा रहा है।

1. ऐतिहासिक संबंध

- भारत और दक्षिण-पूर्व एशिया के बीच प्राचीन संबंध रहे हैं (बौद्ध धर्म, हिंदू धर्म, व्यापार और सांस्कृतिक आदान-प्रदान)।
- चोल साम्राज्य ने दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों से व्यापार और सांस्कृतिक संबंध स्थापित किए।

आसियान (ASEAN) और भारत-आसियान संबंध

Result Mitra

2. भारत-आसियान औपचारिक संबंध (1992 से वर्तमान)

- **1992:** भारत ने आसियान के साथ "सेक्टरल डायलॉग पार्टनर" के रूप में संबंध स्थापित किए।
- **1996:** भारत "फुल डायलॉग पार्टनर" बना।
- **2002:** भारत-आसियान शिखर सम्मेलन शुरू हुआ।
- **2012:** भारत-आसियान संबंधों के 20 वर्ष पूरे होने पर सामरिक साझेदारी की घोषणा की गई।
- **2018:** भारत में प्रथम भारत-आसियान बिजनेस समिट आयोजित हुआ।
- **2022:** भारत और आसियान के बीच संपर्क को और बढ़ाने पर सहमति बनी।

भारत-आसियान सहयोग के प्रमुख क्षेत्र

1. आर्थिक और व्यापारिक संबंध

- भारत और आसियान के बीच व्यापारिक संबंध मजबूत हैं।
- 2022-23 में भारत-आसियान व्यापार: 131 बिलियन डॉलर।
- 2009 में भारत-आसियान मुक्त व्यापार समझौता (FTA) हुआ, जिससे व्यापार बढ़ा।
- भारत आसियान को मशीनरी, पेट्रोलियम उत्पाद, दवाइयाँ, कृषि उत्पाद निर्यात करता है।

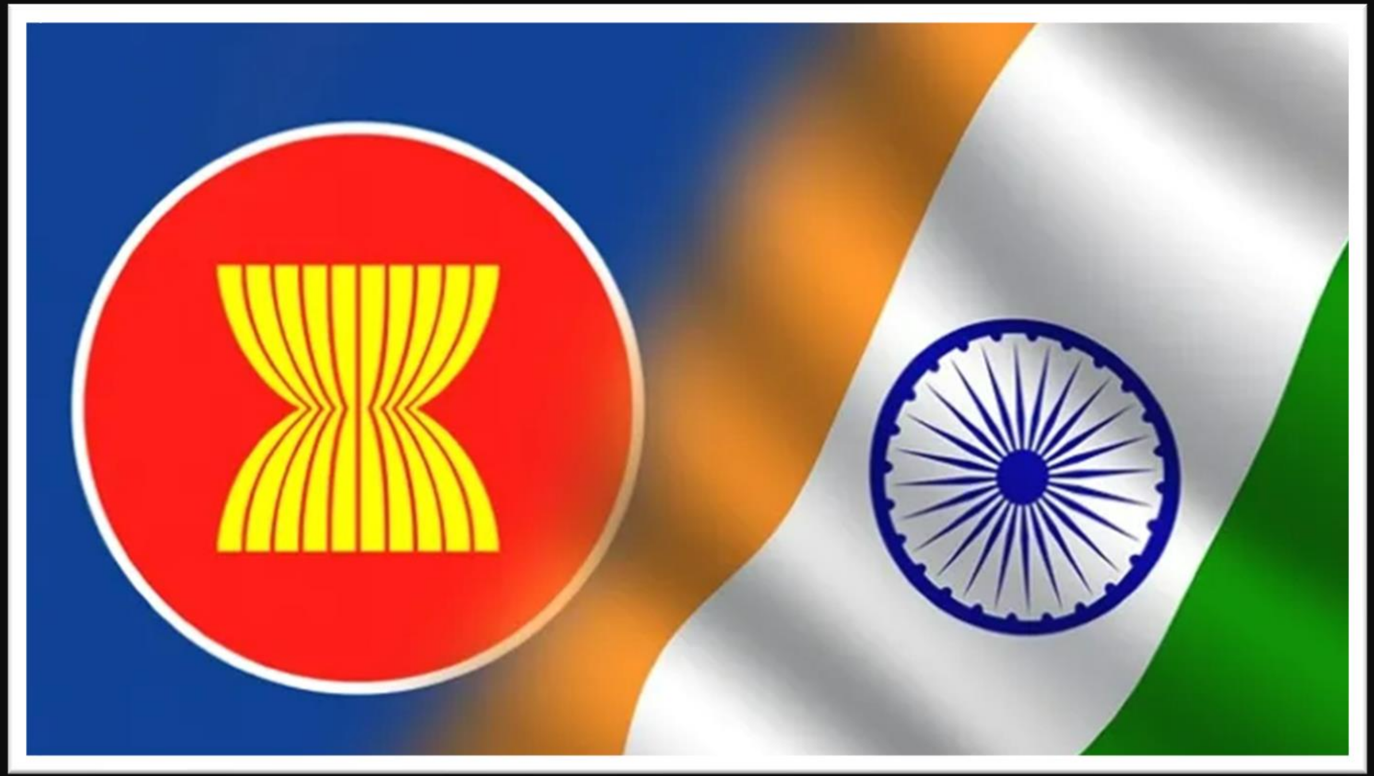

- आसियान से भारत को इलेक्ट्रॉनिक्स, रबर, वन उत्पाद और खनिज मिलते हैं।

2. राजनीतिक और कूटनीतिक सहयोग

- भारत और आसियान संयुक्त राष्ट्र, ईस्ट एशिया समिट, G20 और अन्य अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सहयोग करते हैं।
- "एक्ट ईस्ट पॉलिसी" के तहत भारत ने दक्षिण-पूर्व एशिया में अपनी भागीदारी बढ़ाई है।

3. सुरक्षा और रक्षा सहयोग

- भारत-आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक (ADMM-Plus) के तहत सुरक्षा सहयोग।
- भारत म्यांमार, वियतनाम और इंडोनेशिया के साथ नौसेना सहयोग कर रहा है।
- आतंकवाद विरोधी सहयोग और साइबर सुरक्षा साझेदारी।

4. संपर्क (Connectivity) और बुनियादी ढाँचा

- त्रिपक्षीय राजमार्ग (India-Myanmar-Thailand Trilateral Highway) निर्माणाधीन है।
- कलादान मल्टी-मोडल प्रोजेक्ट से भारत और म्यांमार के बीच व्यापार बढ़ेगा।
- डिजिटल कनेक्टिविटी परियोजनाएँ चल रही हैं।

5. सांस्कृतिक और शैक्षिक सहयोग

- भारत और आसियान के बीच सांस्कृतिक उत्सव और शिक्षा आदान-प्रदान।
- अंतरराष्ट्रीय नालंदा विश्वविद्यालय (बिहार) में आसियान देशों के छात्र पढ़ते हैं।
- भारतीय पर्यटन के लिए दक्षिण-पूर्व एशिया एक महत्वपूर्ण केंद्र बन रहा है।

भारत-आसियान संबंधों की चुनौतियाँ

- **1. चीन का बढ़ता प्रभाव:** चीन आसियान देशों में भारी निवेश कर रहा है, जिससे भारत को प्रतिस्पर्धा करनी पड़ रही है।
- **2. व्यापार असंतुलन:** भारत का व्यापार घाटा बढ़ रहा है।
- **3. म्यांमार संकट:** म्यांमार की राजनीतिक अस्थिरता के कारण भारत की कनेक्टिविटी परियोजनाएँ प्रभावित हो रही हैं।

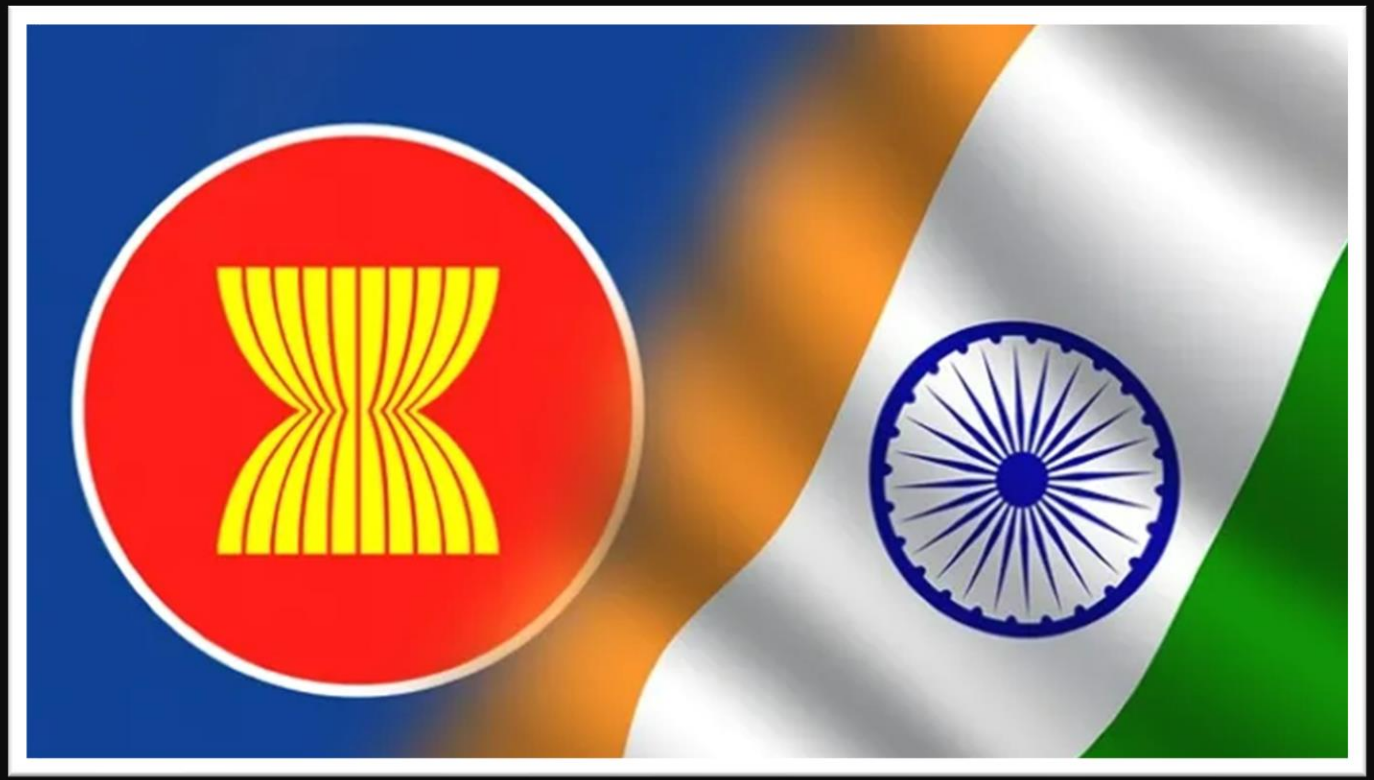

आसियान (ASEAN) और भारत-आसियान संबंध

- **4. दक्षिण चीन सागर विवाद:** भारत की "फ्री एंड ओपन इंडो-पैसिफिक" नीति चीन के साथ मतभेद पैदा कर सकती है।
- **5. आतंकवाद और समुद्री सुरक्षा चुनौतियाँ:** समुद्री सुरक्षा और आतंकवाद के मुद्दे।

भारत-आसियान संबंध सुधारने के उपाय

- व्यापार और निवेश सहयोग बढ़ाना
- नौसेना और सुरक्षा साझेदारी मजबूत करना
- सांस्कृतिक और शैक्षिक सहयोग का विस्तार
- इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स को तेजी से पूरा करना
- आसियान के साथ रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करना

प्रश्न : आसियान के सदस्य देशों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:
1. आसियान में कुल 10 सदस्य देश हैं।
2. भारत और चीन आसियान के पूर्ण सदस्य हैं।
3. पूर्वी तिमोर (East Timor) को आसियान की सदस्यता प्रदान की गई है।
सही उत्तर चुनें:
(A) केवल 1 और 3
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 1 और 2
(D) केवल 3

आसियान (ASEAN) और भारत-आसियान संबंध

स्पष्टीकरण:

• वर्तमान में आसियान में 10 सदस्य देश हैं: इंडोनेशिया, मलेशिया, फिलीपींस, थाईलैंड, सिंगापुर, ब्रुनेई, वियतनाम, लाओस, म्यांमार और कंबोडिया।
भारत और चीन आसियान के सदस्य नहीं हैं, वे संवाद साझेदार (Dialogue Partners) हैं।

• पूर्वी तिमोर (East Timor) को 2022 में आसियान का 11वां सदस्य बनने की प्रक्रिया में शामिल किया गया है, लेकिन इसे पूर्ण सदस्यता अभी नहीं मिली है।

चीन, साउथ चाइना सी और नाइन डैश लाइन (Nine-Dash Line)

Result Mitra

Daily Current News

चीन, साउथ चाइना सी और नाइन डैश लाइन

Result Mitra

प्रश्न 1: दक्षिण चीन सागर के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. दक्षिण चीन सागर हिंद महासागर का एक भाग है।
2. दक्षिण चीन सागर से होकर वैश्विक व्यापार का एक महत्वपूर्ण हिस्सा गुजरता है।
3. चीन पूरे दक्षिण चीन सागर पर ऐतिहासिक अधिकार का दावा करता है।

सही उत्तर चुनें:

(A) केवल 1 और 2
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 1 और 3
(D) 1, 2 और 3

चीन, साउथ चाइना सी और नाइन डैश लाइन

साउथ चाइना सी (South China Sea) क्या है?

- साउथ चाइना सी (दक्षिण चीन सागर) पश्चिमी प्रशांत महासागर का एक महत्वपूर्ण जल क्षेत्र है, जो चीन, ताइवान, वियतनाम, फिलीपींस, मलेशिया, ब्रुनेई और इंडोनेशिया से घिरा हुआ है। यह क्षेत्र रणनीतिक, आर्थिक और सुरक्षा कारणों से अत्यंत महत्वपूर्ण है।

चीन, साउथ चाइना सी और नाइन डैश लाइन

Result Mitra

साउथ चाइना सी का भू-राजनीतिक महत्व

- व्यापार मार्ग: वैश्विक समुद्री व्यापार का लगभग 30% हिस्सा इस क्षेत्र से होकर गुजरता है।
- तेल और गैस संसाधन: साउथ चाइना सी में प्रचुर मात्रा में तेल और प्राकृतिक गैस के भंडार हैं।
- समुद्री सुरक्षा: यह क्षेत्र रणनीतिक रूप से अमेरिका, चीन और अन्य देशों के लिए महत्वपूर्ण है।
- मछली पकड़ने का क्षेत्र: यहाँ दुनिया की सबसे समृद्ध मछली पकड़ने वाली जगहों में से एक है।

चीन, साउथ चाइना सी और नाइन डैश लाइन

Result Mitra

Nine-Dash Line (नाइन डैश लाइन) क्या है?

- नाइन डैश लाइन चीन द्वारा प्रस्तुत एक समुद्री सीमा है, जिसके तहत चीन साउथ चाइना सी के लगभग 90% हिस्से पर अपना दावा करता है। यह दावा चीन द्वारा बनाए गए ऐतिहासिक मानचित्रों पर आधारित है।

Nine-Dash Line की मुख्य बातें:

- 1. यह 1947 में चीन द्वारा पहली बार प्रस्तुत की गई थी।

चीन, साउथ चाइना सी और नाइन डैश लाइन

Result Mitra

- 2. चीन के अनुसार, यह क्षेत्र ऐतिहासिक रूप से चीन का हिस्सा था।
- 3. यह वियतनाम, फिलीपींस, मलेशिया, ब्रुनेई और इंडोनेशिया के दावों से टकराता है।
- 4. 2016 में अंतरराष्ट्रीय न्यायाधिकरण (Permanent Court of Arbitration - PCA) ने इसे अवैध घोषित कर दिया, लेकिन चीन ने इस फैसले को अस्वीकार कर दिया।

साउथ चाइना सी में विवाद

1. चीन का दावा और विवादित द्वीप

- चीन Spratly Islands, Paracel Islands, Scarborough Shoal जैसे द्वीपों पर अपना दावा करता है, लेकिन अन्य देश भी इन द्वीपों पर दावा करते हैं:

2. 2016 का अंतरराष्ट्रीय न्यायालय (PCA) का फैसला

- फिलीपींस ने 2013 में अंतरराष्ट्रीय ट्रिब्यूनल (Permanent Court of Arbitration - PCA) में चीन के खिलाफ मामला दायर किया।
- 2016 में PCA ने फैसला सुनाया कि चीन का "Nine-Dash Line" दावा अंतरराष्ट्रीय कानून (UNCLOS) के तहत अवैध है।
- चीन ने इस फैसले को स्वीकार करने से इनकार कर दिया।

3. चीन द्वारा साउथ चाइना सी में गतिविधियाँ

- **कृत्रिम द्वीपों का निर्माण:** चीन ने रेत और सीमेंट डालकर कई कृत्रिम द्वीप बनाए और उन्हें सैन्यीकृत किया।
- **सैन्य तैनाती:** चीन ने यहाँ रडार सिस्टम, मिसाइलें और एयरबेस स्थापित किए।
- **मछली पकड़ने और ऊर्जा संसाधनों पर नियंत्रण:** चीन इस क्षेत्र में अन्य देशों की मछली पकड़ने की नौकाओं को रोकता है।

अन्य देशों की प्रतिक्रिया

1. अमेरिका और QUAD देशों की रणनीति

- अमेरिका "फ्रीडम ऑफ नेविगेशन ऑपरेशन" (FONOP) के तहत अपने युद्धपोत साउथ चाइना सी में भेजता है।
- अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया और भारत का समूह QUAD (Quadrilateral Security Dialogue) चीन की आक्रामक नीति का विरोध करता है।
- AUKUS (ऑस्ट्रेलिया, यूके, अमेरिका) गठबंधन भी चीन को नियंत्रित करने की रणनीति बना रहा है।

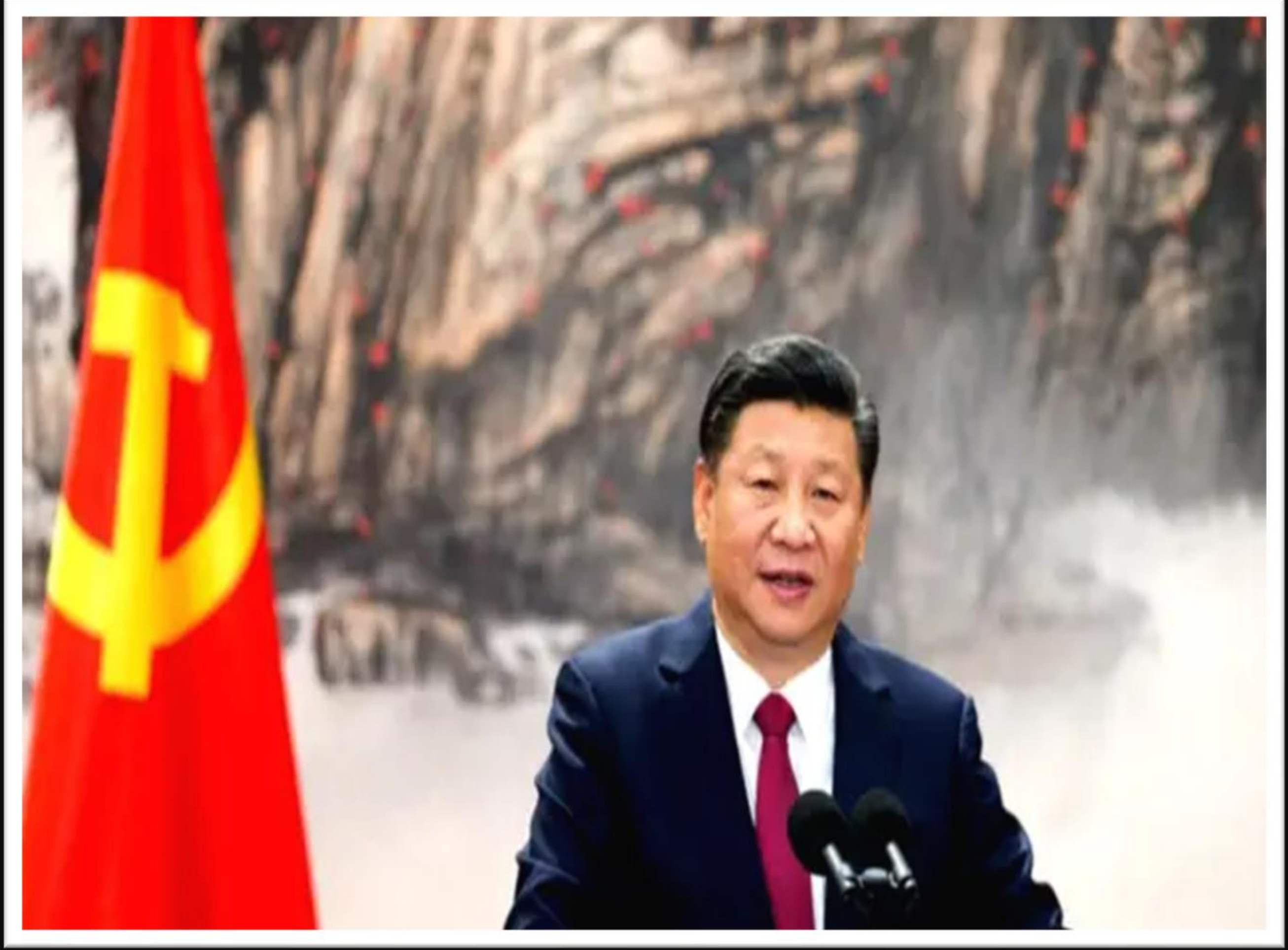

2. आसियान (ASEAN) देशों का विरोध

- फिलीपींस, वियतनाम, मलेशिया और इंडोनेशिया चीन के दावों का विरोध करते हैं।
- आसियान देशों ने "आचार संहिता" (Code of Conduct) बनाने की कोशिश की, लेकिन चीन इसे मानने के लिए तैयार नहीं है।

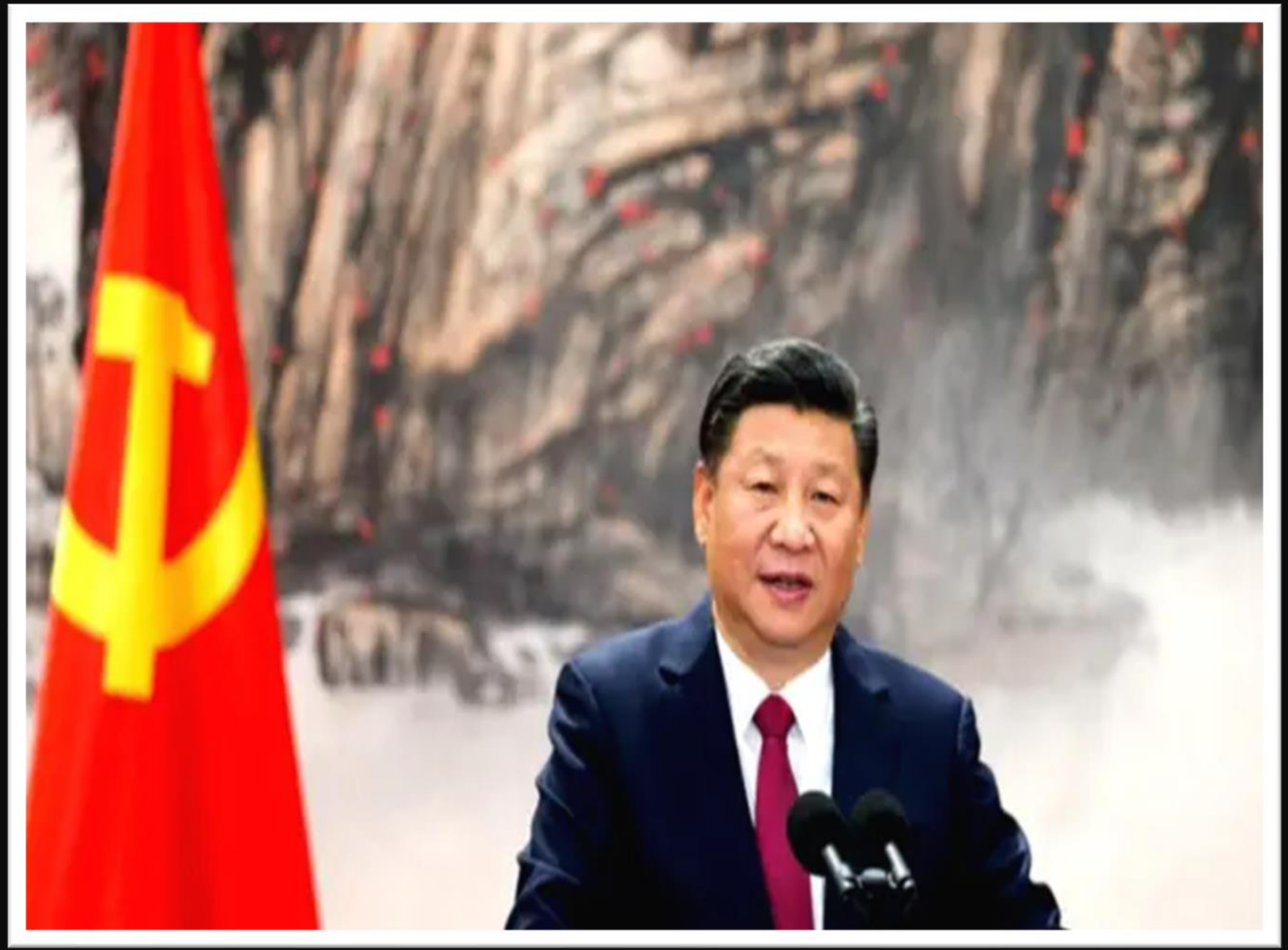

भारत और साउथ चाइना सी विवाद

1. भारत की नीति

- भारत साउथ चाइना सी में नौवहन की स्वतंत्रता (Freedom of Navigation) का समर्थन करता है।
- भारत संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून संधि (UNCLOS) का पालन करने की बात करता है।
- भारत अमेरिका, जापान और आसियान देशों के साथ सैन्य अभ्यास करता है।

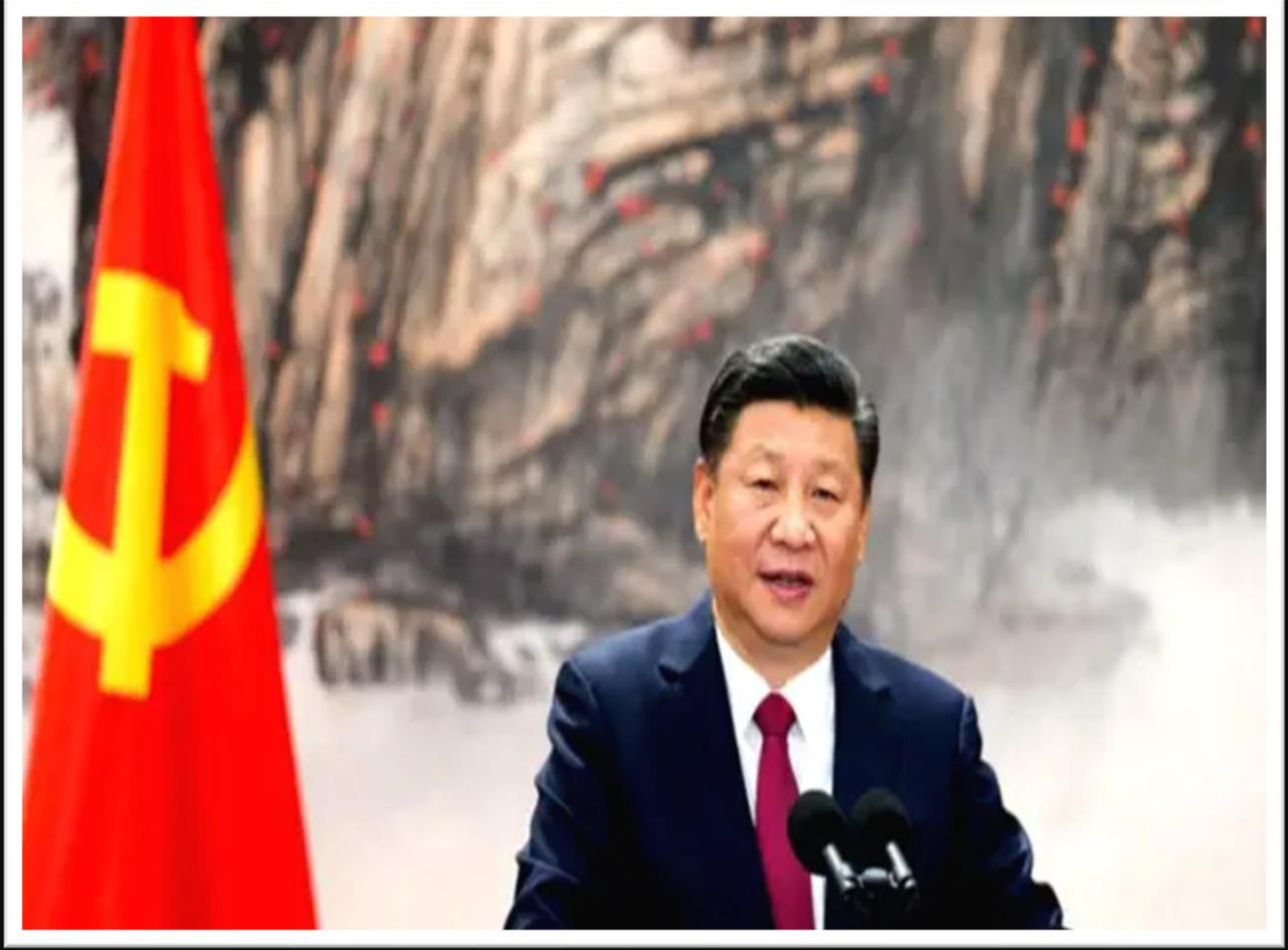

2. भारत और वियतनाम का रक्षा सहयोग

- भारत वियतनाम को रक्षा उपकरण और ट्रेनिंग देता है।
- भारत की ONGC विदेश लिमिटेड (OVL) वियतनाम के EEZ में तेल खोज रही है, जिससे चीन नाराज है।

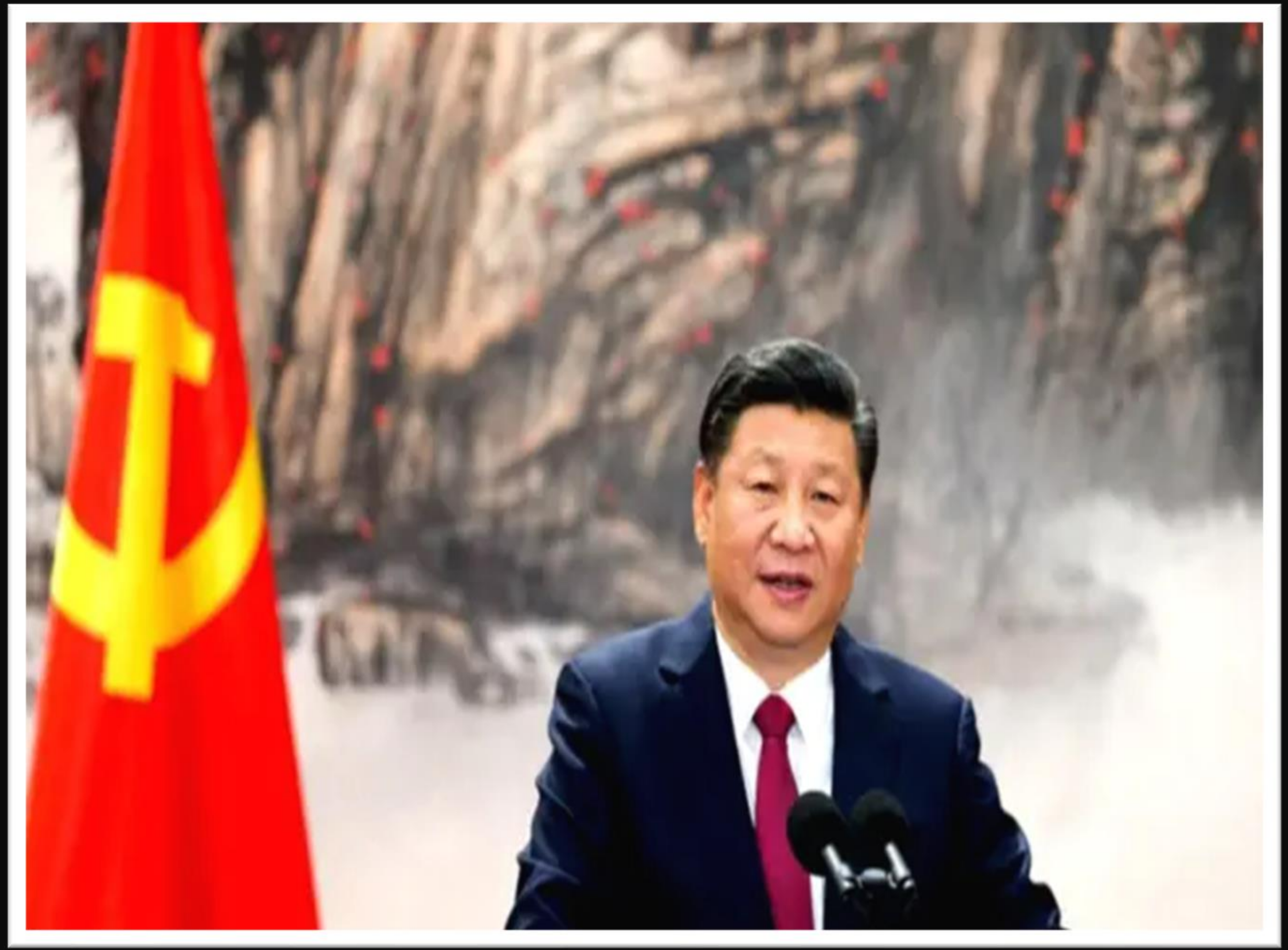

3. भारत और इंडो-पैसिफिक रणनीति

- QUAD (भारत, अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया) भारत के लिए महत्वपूर्ण कूटनीतिक मंच है।
- भारत ने "सागर नीति" (Security and Growth for All in the Region - SAGAR) अपनाई।

Daily Current News

चीन, साउथ चाइना सी और नाइन डैश लाइन

Result Mitra

प्रश्न 1: दक्षिण चीन सागर के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. दक्षिण चीन सागर हिंद महासागर का एक भाग है।
2. दक्षिण चीन सागर से होकर वैश्विक व्यापार का एक महत्वपूर्ण हिस्सा गुजरता है।
3. चीन पूरे दक्षिण चीन सागर पर ऐतिहासिक अधिकार का दावा करता है।

सही उत्तर चुनें:

(A) केवल 1 और 2
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 1 और 3
(D) 1, 2 और 3

स्पष्टीकरण:
• दक्षिण चीन सागर हिंद महासागर का हिस्सा नहीं है, यह प्रशांत महासागर का भाग है।
• दक्षिण चीन सागर वैश्विक व्यापार के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि विश्व के एक बड़े हिस्से का समुद्री व्यापार इसी मार्ग से होकर गुजरता है।
• चीन 'नाइन डैश लाइन' (Nine-Dash Line) के तहत पूरे दक्षिण चीन सागर पर अपना ऐतिहासिक दावा करता है, जिसे अंतर्राष्ट्रीय न्यायाधिकरण (Permanent Court of Arbitration, 2016) ने अवैध करार दिया था।

Result Mitra